सिवनी

शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

संपादक : संजय बघेल

रविवार 7 जून 2026 E-PAPER: www.rashtrabaan.in ● वर्ष : 11 ● अंक : 37 ● पृष्ठ : 06 ● मूल्य : 5.00 रुपए

www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

आधार को वोटर कार्ड लिंक

अपनी ही आग में झुलस रहा विद्रोही और आतंकवाद

@ PG 2

75 प्रतिशत चढ़ेगा यह शेयर, एनालिस्ट का

न्यूज ब्रीफ

तेलंगाना के विकाराबाद में घर की छत गिरी, एक की मौत

विकाराबाद। तेलंगाना में विकाराबाद के मारपल्ली में एक घर की छत गिरने से एक की मौत हो गई और कई लोग घायल हैं। मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका है। रेस्क्यू टीम लोगों को निकालने का काम कर रही है।

केरलम के वायनाड में स्कूल में 150 बच्चों की तबीयत बिगड़ी

वायनाड। केरलम के वायनाड जिले के कोइलाडी स्थित मार बेसेलियोस एडेड अपर प्राइमरी स्कूल के करीब 150 छात्र पिछले तीन दिनों से बुखार और उल्टी की शिकायत के बाद इलाज करा रहे हैं। इनमें 38 बच्चों को बाथेरी तालुक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एहतियात के तौर पर स्कूल में एक सप्ताह की छुट्टी घोषित की गई है। स्वास्थ्य विभाग ने जांच के लिए नमूने भेजे हैं। बीमारी की वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है।

कॉइम्प्ट को कॉपियां स्कैन करने के काम पर बनाए रखा

सीबीएसई ने री-इवैल्यूएशन की प्रक्रिया के लिए कॉइम्प्ट कंपनी को कॉपियां स्कैन करने के काम पर बनाए रखा है। हालांकि, सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 'ऑन-स्क्रीन मार्किंग' सिस्टम से जुड़ा सारा डेटा और रिकॉर्ड्स वेंडर (कंपनी) के सर्वर से हटाकर अपने खुद के सर्वर पर शिफ्ट कर दिया है। जब मामले से जुड़े अधिकारियों से कंपनी के पिछले रिकॉर्ड को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि कंपनी ने 40 करोड़ पेज स्कैन किए हैं, जिनमें से सिर्फ 30,000 पेजों में दिक्कत आई थी।

भांगड़ बम ब्लास्ट केस में आरोपी पूर्व टीएमसी विधायक गिरफ्तार

भांगड़। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पश्चिम बंगाल के भांगड़ बम ब्लास्ट केस में आरोपी पूर्व टीएमसी विधायक सौकत मोल्ला को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। एनआईए के अनुसार मोल्ला इस मामले में मुख्य साजिशकर्ता है। यह धमाका 19 मार्च को देसी बम बनाते समय हुआ था।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

कॉकरोच जनता पार्टी का दिल्ली में प्रदर्शन

अभिजीत ने शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा; अगले शनिवार को फिर जंतर-मंतर पर जुटने का ऐलान

राष्ट्रबाण नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी, यानी सीजेपी ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर 5 घंटे प्रदर्शन किया।

पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा था कि मंत्री आज शाम 5 बजे तक इस्तीफा दें, नहीं तो पूरे देश में प्रदर्शन किया जाएगा। अगले शनिवार, यानी 13 जून को जंतर-मंतर पर फिर प्रदर्शन करेंगे।

सीजेपी को जंतर-मंतर पर आज शाम 5 बजे तक प्रदर्शन करने की अनुमति मिली थी, लेकिन करीब 3 बजे ही अभिजीत और सोनम वांगचुक धरनास्थल से रवाना हो गए थे। इसके बाद प्रदर्शन खत्म हो गया। अभिजीत सुबह ही अमेरिका से दिल्ली लौटे थे। वे एयरपोर्ट से सीधे जंतर-मंतर पहुंचे थे। यहां अभिजीत अंबेडकर की ऑटो बायोग्राफी और संविधान की कॉपी लेकर पहुंचे थे।

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी शामिल हुए। उनके साथ सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका भी मौजूद थे। आशुतोष आईआईटी कानपुर से पास आउट हैं। वे पिछले साल लंदन से भारत लौटे हैं।

1000+ पुलिसकर्मी, दिल्ली बॉर्डर पर कड़ी सुरक्षा

सीजेपी के प्रदर्शन के मद्देनजर इंदिरा गांधी एयरपोर्ट, मुख्य रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और दिल्ली के बॉर्डर पॉइंट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। 1000 से ज्यादा पुलिस जवान पहले से तय पॉइंट्स पर तैनात किए गए थे। बाजारों और संवेदनशील इलाकों में कानून व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी गई थी।

मंत्री के इस्तीफे के लिए 5 दिन की समय सीमा

अभिजीत ने कहा- कॉकरोच जनता पार्टी अपनी मांग पर अड़ी है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। उन्होंने धमेंद्र को इस्तीफे के लिए 5 दिन का अल्टीमेटम दिया है। अगर कॉकरोच जनता पार्टी की बात नहीं मानी जाती है, तो 13 जून को जंतर-मंतर पर दोबारा प्रदर्शन किया जाएगा।

COCKROACH
JANTA PARTY
PEACEFUL PROTEST
धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो!

उद्धव ठाकरे बोले- युवाओं को कॉकरोच कहना गलत

शिवेसना (उद्धव) के चीफ उद्धव ठाकरे ने कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे युवाओं के आंदोलन को लेकर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि नीट पेपर लीक ने लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को कॉकरोच कहकर उनका अपमान करना गलत है। अब यही युवा अपनी मांगों के लिए आवाज उठा रहे हैं और सरकार को उनकी बात सुननी होगी। उन्होंने आंदोलन को सरकार के लिए चेतावनी बताया।

एनसीपी (एसपी) के महासचिव रोहित पवार का सीजेपी को समर्थन: एनसीपी (एसपी) के महासचिव रोहित पवार ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) को अपना समर्थन दिया। यह आंदोलन नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में हुई कथित गड़बड़ियों के खिलाफ किया जा रहा है। पवार ने कहा कि इस विरोध प्रदर्शन को मिल रहा भारी समर्थन यह दिखाता है कि देश के युवाओं में केंद्र सरकार की नीतियों और मुख्य परीक्षाओं में हुई कथित लापरवाही को लेकर गुस्सा बढ़ता जा रहा है।

कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन 5 घंटे चला, अभिजीत-सोनम वांगचुक रवाना

दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी ने सुबह 10 बजे प्रदर्शन शुरू किया था। यह प्रदर्शन करीब 5 घंटे चला। दोपहर 3 बजे अभिजीत और सोनम वांगचुक रवाना हो गए। इसी के साथ धीरे-धीरे प्रदर्शन वाली जगह भी खाली होने लगी।

6 लोग हिरासत में

दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने 6 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि प्रदर्शन के समर्थकों और विरोधियों के बीच तनाव हो सकता है। इसी के चलते कुछ लोगों को एहतियाती हिरासत में लिया गया।

दिल्ली होटल आग हादसा-रसोइया गिरफ्तार

पुलिस का दावा- बिजली का मेन स्विच बंद किया, जिससे इलेक्ट्रिक दरवाजे लॉक हो गए थे

राष्ट्रबाण नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

दिल्ली के मालवीय नगर के फ्लरिश स्टे होटल में आग लगी थी। पुलिस ने हादसे की जांच के लिए होटल के रसोइए केशव नेगी को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि आग रसोइए की लापरवाही से लगी हो सकती है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रसोइए केशव ने ही बताया था कि ग्राउंड फ्लोर पर बने रेस्टॉरेंट के किचन में बिजली से चलने वाला चूल्हा था। इसमें विस्फोट के बाद ही आग लगी, जो पूरे होटल में फैल गई थी। पुलिस जांच में ही यह बात सामने आई है कि जब नेगी ने बिजली बंद की तो इससे होटल इलेक्ट्रॉनिक दरवाजे लॉक हो गए। नेगी की लापरवाही के कारण ही कई लोग होटल से बाहर नहीं निकल पाए। मालवीय नगर के हौजरानी में फ्लोरिश स्टे क्क्ष्क्ष्' में आग 3 जून को सुबह करीब 8.30 बजे लगी और तेजी से पांच मंजिला संकरी इमारत में फैल गई थी। मरने वालों में 21 लोग शामिल थे। इनमें 13 विदेशी भी थे। पुलिस का कहना है कि होटल के पास दिल्ली सरकार की 'बेड एंड ब्रेकफास्ट' पॉलिसी के तहत सिर्फ 6 कमरों की इजाजत थी।

गांगुली बोले- मैंने यूसुफ पठान को सांसदी छोड़ने नहीं कहा

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि मैंने ममता बनर्जी के कहने पर टीएमसी सांसद और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान से इस्तीफा देने के लिए नहीं कहा। उन्होंने कहा कि मीडिया ऐसी अफवाहों और अटकलों पर भरोसा न करे। 4 जून को बंगाल के अखबार आनंदबाजार पत्रिका ने दावा किया था कि पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने सौरव से कहा है कि वह यूसुफ पठान को अपनी लोकसभा सीट से इस्तीफा देने के लिए मनाएं, ममता उपचुनाव के जरिए संसद पहुंच सकें।

अमेरिका ने ईरानी रडार साइट्स पर हमला किया

ईरान ने कुवैत-बहरीन पर 7 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं; ट्रम्प बोले- ईरान की मिसाइल ताकत 22% ही बची

राष्ट्रबाण तेल अवीव | एजेंसी
rashtrabaan.in

अमेरिका ने कहा है कि उसकी सेना ने गोरुक और केश्म आइलैंड पर ईरानी रडार साइट्स पर हमला किया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, पहले होर्मुज में ईरान के 4 अटैक ड्रोन मार गिराए गए, फिर आगे के हमले रोकने के लिए रडार साइट्स को निशाना बनाया गया।

इसके जवाब में ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि उसने होर्मुज स्ट्रेट के पास दुश्मन ठिकानों पर मिसाइल हमला किया। वहीं, सेंटकॉम के मुताबिक ईरान ने कुवैत और बहरीन की ओर 7 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिनमें 6 को हवा में ही रोक दिया गया, जबकि सातवीं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी।

कतर ने कुवैत-बहरीन पर ईरानी हमलों की निंदा की

कतर ने कुवैत और बहरीन पर हुए ईरानी हमलों की कड़ी निंदा की है। कतर का कहना है कि ये हमले दोनों देशों की संप्रभुता का खुला उल्लंघन हैं और अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ हैं। कतर के विदेश मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में तनाव बढ़ाने वाली ऐसी घटनाओं को तुरंत रोकना जरूरी है। मंत्रालय ने सभी पक्षों से हालात को शांत करने और संघर्ष को बढ़ने से रोकने की अपील की। कतर ने कहा कि वह कुवैत और बहरीन के साथ पूरी एकजुटता से खड़ा है। साथ ही दोनों देशों की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए उठाए जाने वाले हर कदम का समर्थन करने की बात भी कही।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी हमलों के बाद ईरान की मिसाइल क्षमता काफी कमजोर हो गई है और उसके पास सिर्फ 21-22% मिसाइलें बची हैं। हालांकि, न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना है कि ईरान ने अपनी 33 में से 30 मिसाइल साइट्स फिर से चालू कर ली हैं।

ट्विशा से समर्थ ने पूछा था-प्रेग्नेंट कैसे हो सकती हो?

राष्ट्रबाण भोपाल | एजेंसी
rashtrabaan.in

एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत की जांच कर रही सीबीआई का फोकस अब 'प्रेग्नेंसी' के इर्द-गिर्द घूम रहा है। अब तक की पूछताछ और डिजिटल एविडेंस से यह साफ हो गया है कि समर्थ और ट्विशा के बीच झगड़े की जड़ प्रेग्नेंसी थी। समर्थ ने ट्विशा से पूछा था कि तुम प्रेग्नेंट कैसे हो सकती हो? यह किसका बच्चा है?

ट्विशा की सास गिरिबाला सिंह ने न्यायिक हिरासत से पहले मीडिया को बताया था कि प्रेग्नेंसी बेटे और बहू के बीच का मामला है। उन्होंने यह जरूर बताया कि ट्विशा और समर्थ ने आपसी सहमति से 30 अप्रैल को प्रेग्नेंसी टर्मिनेट कराई थी। इसके बाद ट्विशा मानसिक रूप से परेशान रहने लगी थी। सास गिरिबाला सिंह बेटे समर्थ के साथ ट्विशा को भोपाल के एक बड़े साइकेट्रिस्ट के पास भी ले गई थीं। यानी ट्विशा की मौत का रहस्य प्रेग्नेंसी के साथ जुड़ा हो सकता है, इस एंगल पर सीबीआई की टीम जांच कर रही है।

रिपोर्ट का इंतजार

सीबीआई को अब तक पोस्टमॉर्टम के बाद सुरक्षित रखे गए ट्विशा के गर्भाशय की हिस्टोपैथोलॉजी रिपोर्ट नहीं मिली है। यही वजह है कि सीबीआई अब भी सेकेंड पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट परिजन को देने से बच रही है। सीबीआई अधिकारी मौत से जुड़े सबूतों की कड़ियां जोड़ने के लिए फोरेंसिक रिपोर्ट, मोबाइल चैट्स और आरोपियों के बयानों का मिलान कर रहे हैं।

राज्यसभा चुनाव : कांग्रेस उम्मीदवार अकेली पहुंचीं पीसीसी, स्वागत रहा फीका

बीजेपी का दावा- तीसरा कैंडिडेट भी जीत जाएगा; मीनाक्षी बोलीं- कांग्रेस पूरी तरह एकजुट

राष्ट्रबाण भोपाल | एजेंसी
rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश के राज्यसभा चुनाव में शनिवार को एक ओर भाजपा उम्मीदवार तरुण चुग और रजनीश अग्रवाल ने शक्ति प्रदर्शन के बीच नामांकन दाखिल किया, वहीं कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के भोपाल पहुंचने पर पार्टी कार्यालय में उत्साह नजर नहीं आया। उनके स्वागत के लिए गिने-चुने नेता और कार्यकर्ता ही पहुंचे। इसे लेकर भाजपा ने कांग्रेस की एकजुटता पर सवाल उठाए, जबकि मीनाक्षी ने दावा किया कि सभी विधायक उनके साथ हैं।

मीनाक्षी नटराजन शनिवार को भोपाल पहुंचीं। वे एक कार से नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार से मिलने पहुंचीं और बाद में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय गईं। पीसीसी में उनके स्वागत के लिए प्रदेश कांग्रेस के कुछ पदाधिकारियों और सीमित संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी चर्चा का विषय रही। यहां उन्होंने नामांकन प्रक्रिया से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी कीं।

केरलम में बारिश का रेड अलर्ट, वायनाड-कासरगोड में स्कूल बंद, ट्रेकिंग पर रोक

मानसून महाराष्ट्र-आंध्र तक पहुंचा, मप्र-छत्तीसगढ़ में देरी

राष्ट्रबाण नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

तीन दिन की देरी के बाद मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। शनिवार को यह आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम और मणिपुर पहुंच गया। इससे पहले यह केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और गोवा में एंट्री कर चुका है।

केरल के मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड में बारिश का रेड अलर्ट जारी है। त्रिशूर में पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वायनाड और कासरगोड में स्कूल बंद हैं, जबकि ट्रेकिंग और पहाड़ी रास्तों पर रात की यात्रा पर रोक लगाई गई है। बिहार में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हुई। गुजरात को छोड़कर देशभर में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हैं। राजस्थान, एमपी, यूपी, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

आईएमडी के मुताबिक अगले तीन दिनों में मानसून पूर्वोत्तर के सभी राज्यों और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों तक पहुंच सकता है। अगले 10 दिनों में इसके बिहार, झारखंड और ओडिशा पहुंचने की संभावना है। स्काईमेट वेदर के एक्सपर्ट जीपी शर्मा के मुताबिक एमपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा और बंगाल में मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी रह सकती है, क्योंकि इसे आगे बढ़ाने के लिए बंगाल की खाड़ी में कोई मजबूत मौसम सिस्टम एक्टिव नहीं है। जिन राज्यों में प्री-मानसून की एक्टिविटीज से आंधी बारिश हो रही है। वहां तापमान में 5एष्ट से 10एष्ट तक की गिरावट दर्ज की गई है। लेकिन अभी भी कुछ राज्यों में गर्मी का असर कम नहीं हुआ है।

आंध्र प्रदेश में हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है।

मानसून अलर्ट...

- शुक्रवार को रातभर हुई बारिश के कारण केरलम में कई इलाकों में पानी भर गया, कई जगह पेड़ उखड़ गए हैं।
- आईएमडी ने केरलम के 8 जिलों में आज लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया। यहां बारिश के साथ 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफान आने की आशंका है।
- तमिलनाडु के नीलगिरी, थेनी, डिंडीगुल और कोयंबटूर के घाट वाले इलाकों में 40-50किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी-तूफान, बिजली और बहुत भारी बारिश होने की आशंका है।

मुर्गी पालन कैसे करें

वैसे तो प्रशिक्षण के दौरान मुर्गीपालन का व्यावहारिक ज्ञान भी दिया जाता है फिर भी यह अच्छा होगा कि आप किसी अनुभवी मुर्गीपालक से व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करें। प्रशिक्षण तथा परामर्श से आपको पता चलेगा कि मुर्गी फार्म कैसा होना चाहिए, चूजे कहां से खरीदने हैं, मुर्गी फार्म कैसे बनाएं मुर्गी दाना कैसे बनाया जाये, दाना पानी का बर्तन कैसा हो, मुर्गियों का रखरखाव कैसे करें तथा बीमारियों से बचाने के लिए क्या-क्या आवश्यक उपाय किये जाएं?

आहार व्यवस्था– मुर्गीपालन पर होने वाले खर्च का दो तिहाई खर्च उनको खिलाने के लिए खरीदे गये दानों पर होता है। अतः आप अपने इलाके में उपलब्ध विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों को सही मात्रा एवं उचित अनुपात में मिलाकर संतुलित दाना मिश्रण बनायें तो वह सस्ता होगा। संतुलित दाना मिश्रण विभिन्न प्रकार के अनाज जैसे मक्का, ज्वार, बाजरा, गेहूं आदि खल, सूर्यमुखी की खल, सोयाबीन की खली, सरसों की खल आदि चूरी जैसे भूनी हुई ग्वार की चूरी, मछली का चूरा अथवा मांस का चूरा, खनिज मिश्रण एवं विटामिन आदि को सही मात्रा व उचित अनुपात में मिलाकर बनाया जाता है। इस तरह के संतुलित आहार से मुर्गियों को सभी पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, ऊर्जा, खनिज, विटामिन आदि उनकी जरूरत के मुताबिक प्राप्त होगा। जिससे उनके शारीरिक विकास व उत्पादन में वृद्धि होगी यानि आप जल्द से जल्द कम खर्च में ज्यादा मांस एवं अण्डे का उत्पादन कर सकते हैं क्योंकि आहार की मात्रा एवं गुणों का प्रभाव मुर्गियों द्वारा मांस व अण्डों के उत्पादन पर पड़ता है, अतः इन्हें कम लागत वाला संतुलित आहार उचित मात्रा में देकर ही ज्यादा से ज्यादा फायदा लिया जा सकता है। इसलिये चूजों व मुर्गे–मुर्गियों का आहार बनाने और खिलाने पर ही इस व्यवसाय का फायदा या नुकसान निर्भर करेगा। आहार आप खुद ही बनाये। छोटे मुर्गी पालक हाथ से मिलाकर एवं बड़े मुर्गीपालक मशीनों के द्वारा खुद ही दाना तैयार करें। छोटे चूजों के लिए बारीक दाना ठीक होगा। चूजों को हमेशा पर्याप्त मात्रा में दाना उपलब्ध करायें। दाने का बर्तन ऐसा हो जिसमें मुर्गियां दाना आसानी से खा सकें। लेकिन अनावश्यक बर्बादी या उनके अन्दर गंदगी न कर सकें। दाने का बर्तन साफ हो। दाने के साथ स्वच्छ पीने का ताजा पानी भी चूजों को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करायें। पानी के बर्तन के आसपास अक्सर बिछावन गीला हो जाता है। अतः गीला बिछावन बदल दें। इस बात का ध्यान भी रखें कि चूजे पानी को गंदा न करें।

मुर्गियों के आहार में खाद्य पदार्थों का अनुपात-

मांस उत्पादन करने वाले चूजे जिसे ब्रायलर कहते हैं, तकरीबन डेढ़ महीने में तैयार हो जाते हैं। इनके लिए दाना मिश्रण बनाने के लिए मक्का, बाजरा, गेहूं या सफेद ज्वार 51 प्रतिशत, मूंगफली या सोयाबीन की खली 23.5 प्रतिशत, तिल या सूरजमुखी की खली 10 प्रतिशत, भूनी हुई ग्वार की चूरी 5 प्रतिशत, मछली या मांस का चूरा 8 प्रतिशत तथा खनिज मिश्रण 2.5 प्रतिशत 100 किलो दाना तैयार कर सकते हैं। इस दाना मिश्रण में विटामिन मिश्रण, एंटीबॉयोटिक व काक्सीडियोस्टेट आदि आवश्यकता अनुसार दें अंडे देने वाली मुर्गियों के लिए दाना मिश्रण उनकी उम्र के हिसाब से देना पड़ेगा। जैसे एक दिन से दो महीने की उम्र तक के चूजों के लिए दाना मिश्रण में मक्का, ज्वार, बाजरा या गेहूं 32 प्रतिशत, मूंगफली या सोयाबीन की खली 29.5 प्रतिशत, चावल की पॉलिश 28 प्रतिशत, मछली या मांस का चूरा 8 प्रतिशत एवं खनिज मिश्रण 2.5 प्रतिशत मिलाएं। इसी तरह से बढ़वारी जिनकी उम्र दो से पांच माह तक हो, के दाना मिश्रण में मक्का, ज्वार, बाजरा या गेहूं 22 प्रतिशत, गेहूं का चोकर/ छानस 8 प्रतिशत, शीरा 5 प्रतिशत, मछली या मांस का चूरा 6 प्रतिशत एवं खनिज मिश्रण 2.5 प्रतिशत मिलायें। पांच महीने अर्थात 20 सप्ताह के बाद मुर्गियां अण्डे देना शुरु कर देती हैं। अतः मुर्गियों के दाना मिश्रण में मक्का , ज्वार, बाजरा या गेहूं 32 प्रतिशत, मूंगफली या सोयाबीन का खल 21.5 प्रतिशत, चावल का पॉलिश 29.5 प्रतिशत, शीरा 5 प्रतिशत, मछली या मांस का चूरा 1 प्रतिशत, चूने का पत्थर एवं खनिज मित्रण 3 प्रतिशत मिलायें।

चूजे खरीदना

चूजे हमेशा अच्छी नस्ल के एवं ऐसी हैचरी से खरीदें जिनके चूजे सरकार द्वारा किये गये रैन्डम सैम्पल परीक्षण में खरे उतरे हों। ब्रायलर 6 सप्ताह की आयु में औसतन 2 किलो दाना खाकर डेढ़ किलो वजन तक का हो जाना चाहिए। उसी तरह से अण्डे देने वाली मुर्गियां प्रतिवर्ष 240 से 300 अण्डे देने वाली हो। अच्छी नस्ल का चुनाव, समुचित आहार व्यवस्था व प्रंबधन, रोगों से बचाव, उपचार व नियंत्रण तथा सुनिश्चित विपणन से ही मुर्गीपालन लाभदायक हो सकता है।

इलाज से बचाव बेहतर है। अतः स्थानीय पशु चिकित्सक की सलाह से मरैक्स, रानीखेत, गम्बोरो, चेचक इन्फैक्सीयस ब्रान्काइटस आदि बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण करवायें तथा किसी कारणवश पक्षियों में बीमारी आ जाती है तो तुरंत रोकथाम के लिए स्थानीय पशु चिकित्सालय से सम्पर्क करें।

● कुक्कुट आवास ऐसे स्थान पर बनाएं जहां वर्ष भर आवागमन के साधन उपलब्ध हों। मुर्गी घर मुख्य मार्ग या पक्की सड़क के निकट हो तथा अण्डा/ आहार लाने व ले जाने के लिए वाहन व्यवस्था होनी चाहिए।

● फार्म शहर के निकट तुरंत घनी आबादी व शोर वाले क्षेत्रों से दूर हो।

● कुक्कुट आवास के लिए भूमि नीचे में न हो ओर निकट में तालाब आदि न हो, न ही वहां पर पानी ठहरता हो।

● पानी एवं बिजली की समुचित व्यवस्था हो।

● मुर्गीघर की लम्बाई पूर्व–पश्चिम दिशा में बनाएं।

● मुर्गीघर हवादार हो। धूप व बारिश से बचने के लिए छज्जे लगे होने चाहिए। दरवाजे बाहर की ओर खुलने चाहिए। छत ऐसी बनाएं कि वर्षा का पानी उस पर रुक न सके। गर्मी में अधिक गर्म न हो तथा सर्दी में ठंडी न हो। पक्षियों को सर्दी व गर्मी से बचाने की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।

● फार्म के निकट विपणन सुविधा होनी चाहिए।

● बाल्टी, एग ट्रे आदि हर समान मुर्गीघर में होना चाहिए।

● समय–समय पर बिछावन को पलटने के लिए पंजे की व्यवस्था हो।

● डीप लीटर में आवास स्थान 2.25 वर्ग फुट प्रति पक्षी अवश्य दें।

● पिंजरा प्रणाली में प्रति पक्षी आवास 0.75 वर्ग फुट प्रति पक्षी अवश्य दें।

● 8 सप्ताह तक के चूजों के पालन हेतु 7 वर्ग इंच स्थान, 9–20 सप्ताह के पक्षियों के लिए 1 वर्ग फुट तथा अण्डे देने वाली मुर्गियों को 2 वर्ग फुट स्थान दें।

● 5 सप्ताह की आयु पर चोंच कांटे।

● प्रतिदिन सुबह एवं शाम सावधानीपूर्वक कुक्कुटों का निरीक्षण करें। ताकि रोग आते ही उनकी देखभाल शुरू की जा सके। चूजे फार्म पर आने से पहले सभी 15 उपकरण, ब्रूडर, गार्ड आदि का प्रबंध करें तथा तापक्रम नियमित करें। प्रकाश व्यवस्था भी ठीक रखें।

● प्रथम सप्ताह 95 डिग्री फेरनहाईट दें तथा बाद में प्रति सप्ताह 5 डिग्री कम करते जाए।

जैव सुरक्षा

मुर्गीफार्म पर साफ–सफाई तथा फार्म को रोगाणु रहित इस प्रकार करें।

● शेड के प्रवेश स्थल पर कीटाणुनाशक दवाओं के घोल में पैर धोने के उपरांत ही शेड में प्रवेश करें।

● अगर डीप लीटर सिस्टम से मुर्गियां पाल रहे हैं तो मुर्गियां बिकने के बाद बिछावन पर जंतुनाशक दवाई (जैसे की 5 या 10 प्रतिशत सान्द्रता का फॉरमैलीन) का छिड़काव करें। इसके बाद उसे हटाकर दूर किसी गहरे गड्ढे में दफन कर ऊपर से मिट्टी डाल दें।

● मुर्गियों के पानी, मुर्गी के खाने बर्तन तथा अन्य सामान फार्म से हटायें।

● बिछावन हटाने के बाद जमीन की ऊपरी सतह की मिट्टी खरोंचकर निकालें तथा दूर गहरे गड्ढे में डालकर ऊपर से साफ मिट्टी डाल दें।

● इसके बाद पहले छत की सफाई करें। फिर दीवारों की सफाई करें। बाद में फार्म की जालियां और अंत में बाकी सामान की सफाई करें।

उपयुक्त सुझावों को व्यावहारिक रुप में समझदारी के साथ प्रयुक्त करें तथा कम से कम लागत में ज्यादा से ज्यादा लाभ कमाएं।

गर्मियों में दुधारू पशुओं की देखरेख

● पशु के पोषण में लगभग 70% खर्च होता है. दुग्ध उत्पादन तभी लाभदायी हो सकता है, जब पशुओं को संतुलित आहार मिले तथा उसकी लागत कम आये. हरा चारा दुधारू पशुओं के लिये अमृत के समान है. 6 से 8 लीटर दूध देने वाले पशुओं की आवश्यकता की पूर्ति मात्र पेट भर हरा चारा उपलब्ध कराने से भी की जा सकती है. 1.5 किलो जीविका आहार के साथ पशु की दूध उत्पादन क्षमता के अनुसार बांटा दिया जाना चाहिए. भैंसों में 2 लीटर दूध उत्पादन पर 1 किलो बाटा तथा गायों में 2.5–3.0 लीटर दूध पर 1 किलो बाटा दिया जाना चाहिए.

● पशुओं की अच्छी आवास व्यवस्था भी दूध उत्पादन अच्छा रखने में सहायक होती है. गौशाला इस प्रकार की बनाई जानी चाहिए जिससे सूर्य की किरणें उत्तर की ओर अधिक पड़ें और दक्षिण की ओर कम से कम, जिससे गर्मियों एवं सर्दियों में पशुओं की रक्षा की जा सके. गाय एवं भैंसों के लिये30–35 वर्ग फीट प्रति पशु जगह की आवश्यकता होती है. बाहरी बाड़ा के लिये 20–100 वर्ग फुट स्थान होना चाहिए. पूंछ से पूँछ विधि गौ पशुओं के लिये सबसे अधिक उपयोगी पाई गई है.

इस विधि की विशेषताएं हैं कि गौ शाला की साफ–सफाई अच्छी की जा सकती है. जिससे पशुओं को बीमारी से बचाया जा सकता है. संक्रामक बीमारियाँ आसानी से नहीं फैल पाती हैं. थन एवं अयन की बीमारियों का तुरंत पता लगाया जा सकता है. पशुओं और नालियों की साफ–सफाई अच्छी तरह से की जा सकती है.

● दुधारू पशुओं से अधिक दूध उत्पादन के लिए स्वच्छ पानी की उपलब्धता अत्यंत आवश्यकता है. पशु बिना भोजन के तो रह सकता है. परंतु बिना पानी के नहीं. क्योंकि पानी शारीरिक क्रियाओं के संचालन एवं दूध उत्पादन के लिए आवश्यक है. प्रत्येक दुधारू पशु को लगभग 100 लीटर पानी की प्रतिदिन आवश्यकता होती है.

● दुधारू पशुओं को प्रेम पूर्वक रखना, उनसे अच्छा व्यवहार करना, बाह्य परजीवी जूं किलनी इत्यादि को अलग रखना. क्योंकि बाह्य परजीवी पशु का खून चूसते हैं और दूध उत्पादन क्षमता पर प्रभाव डालते हैं. अतः जब भी मौसम में बदलाव आता है, उस समय बाह्य परजीवी जैसे जूँ और किलनी मारक दवाइयों का प्रयोग करना चाहिए.

● जहाँ तक सम्भव हो दुधारू पशुओं को शोर से दूर रखा जाना चाहिए. शोर का प्रभाव उनकी दुग्ध उत्पादन क्षमता पर पड़ता है.

● अच्छे दूध उत्पादन करने वाले पशुओं की पहचान की जानी चाहिए. जो पशु कम दूध उत्पादन अर्थात 2–3 लीटर दूध देते हैं. उनकी छटनी कर देनी चाहिए. प्रतिवर्ष 15–20 प्रतिशत गौ शाला के पशुओं की छटनी की जानी चाहिए जिससे लगातार अधिक दूध उत्पादन प्राप्त हो सके.

● गौ शाला में एक निश्चित दिनचर्या का पालन किया जाना चाहिए. इसमें बदलाव करने से दूध उत्पादन क्षमता पर प्रभाव पड़ता है. यदि कोई बदलाव करना है तो पशुओं की शुष्क अवस्था में किया जाना चाहिए.

● पशुओं का दूध दुहते समय अच्छा प्रबंध करना चाहिए. यह एक विशेष कार्य है. दोहने वाले व्यक्ति की क्षमता दूध उत्पादन पर बहुत प्रभाव डालती है. दूध निकालने की प्रक्रिया 5–7 मिनिट में पूर्ण हो जानी चाहिए.वरना पशु दूध को रोक सकता है. इसलिए दूध दोहने में जो व्यक्ति पारंगत है उनसे ही दूध निकलवाना चाहिए. इससे पशु की वास्तविक दूध उत्पादन क्षमता का पता लगाया जा सकता है.

● गर्मियों में अधिक दूध देने वाले पशुओं का विशेष प्रबंध किया जाना चाहिए. गाय एवं भैसों को नहलाना, गौ शाला में ठंडा वातावरण रखना, सुबह और शाम को भोजन देना चाहिए. साइलेज का इस्तेमाल, भूसे का यूरिया उपचार किया जाना चाहिए जिससे उत्पादन को गिरने से बचाया जा सके.

● अच्छे दूध उत्पादन के लिये अच्छी प्रजनन क्षमता को बनाये रखना बहुत ही जरूरी है. पशु की उत्पादन क्षमता छटवीं ब्यात तक होती है. आदर्श प्रजनन क्षमता एक बछड़ा/बछिया प्रतिवर्ष है. यदि प्रजनन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया तो किसान को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है. दुधारू पशुओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए. संक्रामक रोगों का टीकाकरण समय रहते अवश्य कराना चाहिए. बाह्य एवं आंतरिक परजीवियों को दूर करने के लिए विशेष ध्यान रखना चाहिए. दुधारू पशुओं में थन एवं अयन की साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए.

राष्ट्रबाण
सिवनी, रविवार 7 जून 2026

शहडोल राष्ट्रबाण

सोहागपुर (शहडोल मुख्यालय)● गोहपारु ● बुढार ● जैतपुर ● जयसिंघनगर ● ब्यौहारी

अमझोर-दरौंडी क्षेत्र में क्रेशर संचालन पर उठे सवाल

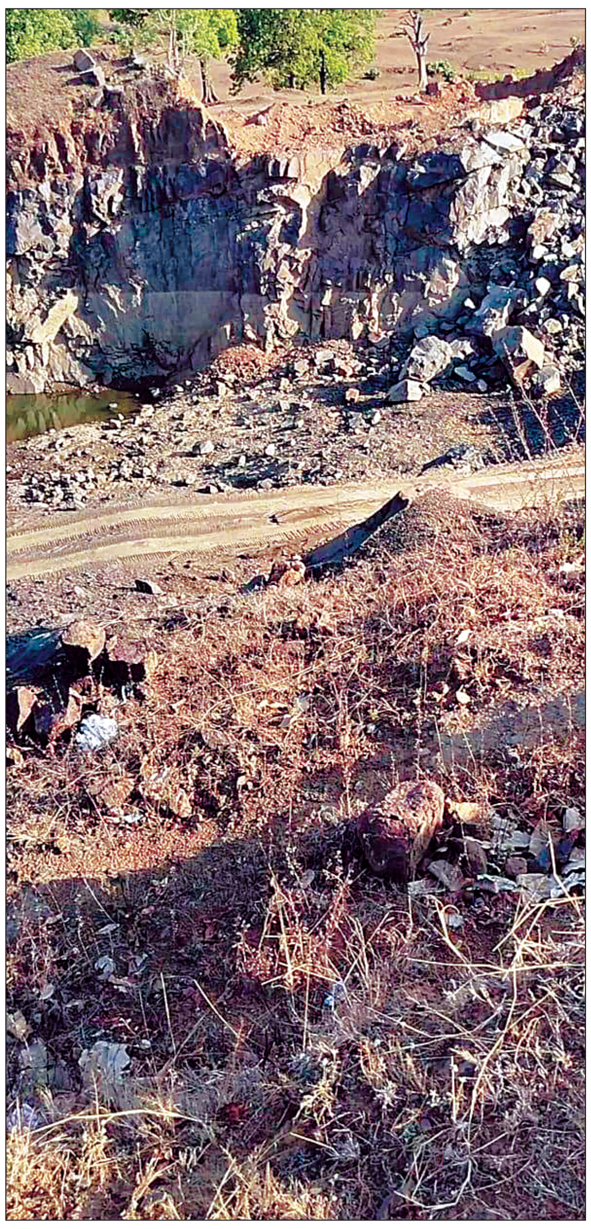

ग्रामीणों ने की जांच और सख्त कार्रवाई की मांग

शहडोल | संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले के अमझोर और दरौंडी क्षेत्र में संचालित क्रेशर इकाइयों को लेकर एक बार फिर स्थानीय स्तर पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों का आरोप है कि कई स्थानों पर खनिज नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है, जिसके कारण खनिज संसाधनों के उत्खनन, भंडारण और परिवहन की प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से गिट्टी और अन्य खनिज सामग्री का परिवहन जारी है। ग्रामीणों की माने तो नियमों के अनुरूप आवश्यक दस्तावेजों और अनुमतियों की जांच किए बिना वाहनों का संचालन होता दिखाई देता है। यदि संबंधित विभाग अचानक निरीक्षण करे तो वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है।

परिवहन व्यवस्था पर भी उठ रहे प्रश्न

ग्रामीणों की माने तो खनिज सामग्री से लदे भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से ग्रामीण सड़कों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है। कई मार्गों की हालत खराब होती जा रही है, जिससे आम लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांवों के लोगों का कहना है कि सड़कें क्षतिग्रस्त होने से दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ रही है। इसके अलावा क्रेशर इकाइयों से निकलने वाली धूल को लेकर भी लोगों में नाराजगी है।

ग्रामीणों का आरोप है कि धूल के कारण आसपास के गांवों का वातावरण प्रभावित हो रहा है और लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों पर इसका असर अधिक पड़ने की बात कही जा रही है।

कार्रवाई की इंतजार

ग्रामीणों का कहना है कि समय-समय पर विभिन्न स्तरों पर शिकायतें दी जाती है लेकिन अब तक अपेक्षित कार्रवाई दिखाई नहीं दी है। लोगों का मानना है कि यदि खनिज विभाग, राजस्व विभाग और जिला प्रशासन संयुक्त रूप से जांच करें तो स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

नागरिकों ने मांग की है कि सभी क्रेशर इकाइयों के संचालन, खनिज भंडारण, परिवहन और आवश्यक दस्तावेजों की व्यापक जांच कराई जाए। यदि किसी भी स्तर पर नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

पारदर्शी जांच की मांग तेज

अमझोर और दरौंडी क्षेत्र में बढ़ती चर्चाओं के बीच अब लोगों की नजर प्रशासनिक कदमों पर टिकी हुई है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि निष्पक्ष और पारदर्शी जांच से ही वास्तविक स्थिति सामने आ सकेगी तथा लोगों का विश्वास भी कायम रहेगा। फिलहाल सभी की निगाहें इस बात पर हैं कि संबंधित विभाग शिकायतों को किस गंभीरता से लेते हैं और आगे क्या कार्रवाई करते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने किया वृक्षारोपण

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सरफा डैम उद्यान में कार्यक्रम हुआ आयोजित

शहडोल | संवाददाता
rashtrabaan.in

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद शहडोल द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सरफा डैम उद्यान (वानकी क्षेत्र) में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा नगर में हरित आवरण का विस्तार करना रहा। उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने आमजन से एक पेड़ मां के नाम अभियान में सहभागी बनने तथा अधिक से अधिक पौधारोपण कर उनके संरक्षण एवं संवर्धन का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम ही नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण संकल्प भी है।

कार्यक्रम में जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिवम प्रजापति, एसडीएम सोहागपुर श्रीमती अमृता गर्ग, नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल, उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा (डोली), मुख्य नगर पालिका अधिकारी निशांत सिंह ठाकुर, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने सरफा डैम परिसर में पौधारोपण किया। इस दौरान सभी ने लगाए गए पौधों की सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में पार्षद सिल्लू रजक, ओमप्रकाश चौधरी, प्रभात पांडे, जितेंद्र सिंह, श्रीमती शहजादी बेगम, पुनीत त्रिपाठी एवं मोतीलाल सिंह सहित नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विधायक ने किया पौधरोपण

विशेष अवसरों पर पौधा लगाकर प्रकृति को हरा-भरा बनाएं : विधायक

शहडोल | संवाददाता
rashtrabaan.in

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ब्यौहारी विधायक शरद कोल ने शासकीय हाई स्कूल नगनौड़ी परिसर में नीम का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। यह कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री कोल ने कहा कि पेड़-पौधों का संरक्षण और संवर्धन हम सभी की जिम्मेदारी है।

पेड़ न केवल जीवन के लिए आवश्यक ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि मानव जीवन की अनेक जरूरतों की पूर्ति भी करते हैं। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पौधरोपण कर धरती को हरा-भरा बनाने में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन के कारण असमय बाढ़, भूस्खलन, जल संकट और बढ़ते तापमान जैसी गंभीर चुनौतियां सामने आ रही हैं। ऐसे में वन संरक्षण और पौधरोपण के माध्यम से पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है। पेड़-पौधों और जल स्रोतों का गहरा संबंध है, इसलिए इनके संरक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। विधायक ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ माताओं और बहनों के सम्मान से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जन्मदिन, सालगिरह, बच्चों के जन्मोत्सव, पर्यावरण दिवस तथा अन्य विशेष अवसरों पर पौधरोपण अवश्य करें।कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

अवैध खनन और परिवहन में संलिप्त वाहन, कोयला एवं उपकरण जब्त

कोल माफियाओं पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई जारी

शहडोल | संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले में कोल माफियाओं के खिलाफ खनिज, पुलिस एवं राजस्व विभाग द्वारा लगातार संयुक्त कार्रवाई की जा रही है। जिला खनिज अधिकारी राहुल शांडिल्य ने बताया कि अवैध कोयला खनन एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि शिकायत मिलने पर 4 जून को पुलिस एवं राजस्व विभाग के साथ चौकी केशवाही अंतर्गत ग्राम जमुनिया स्थित मरखी माता मंदिर के पास संयुक्त निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान तीन ट्रालियों में रखा लगभग 12 टन अवैध कोयला तथा एक वाटर पंप जब्त किया गया। जब्त सामग्री को चौकी केशवाही की अभिरक्षा में रखा गया है। साथ ही क्षेत्र में संचालित तीन अवैध कोयला खदानों के गड्ढों को जेसीबी की सहायता से मिट्टी और मुरूम भरकर बंद कराया गया। इसी प्रकार ग्राम बटुरा, थाना अमलाई एवं बुढार क्षेत्र में खनिज और पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई के दौरान अवैध कोयला खनन एवं परिवहन में संलिप्त एक ट्राला जब्त किया गया। वाहन को थाना अमलाई की अभिरक्षा में रखा गया है। मामले में नियमानुसार प्रकरण दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। खनिज विभाग की माने तो केशवाही क्षेत्र में अवैध कोयला परिवहन के मामले में 8 नवंबर को दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर कार्रवाई की गई थी। दोनों वाहनों के संचालकों द्वारा लगाए गए कुल 70 हजार 870 रुपये के अर्थदंड का भुगतान भी किया जा चुका है।

इसके अलावा 8 अप्रैल को पुलिस विभाग द्वारा अवैध कोयला खनन में प्रयुक्त एक इंजन जब्त किया गया। मामले में संचालक एवं मालिक के विरुद्ध अवैध खनन का प्रकरण दर्ज करते हुए पृथक एफआईआर भी दर्ज की गई है। जिला खनिज अधिकारी राहुल शांडिल्य ने बताया कि केशवाही एवं आसपास के क्षेत्रों में अवैध कोयला खनन संबंधी शिकायतों पर पुलिस और राजस्व विभाग के सहयोग से समय-समय पर संयुक्त कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन एवं परिवहन में संलिप्त लोगों के खिलाफ आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

फायर एक्सटिंग्विशर के उपयोग का किया प्रदर्शन

नगर निगम की कार्रवाई: होटलों और रेस्टोरेंट्स में अग्नि सुरक्षा की गहन जांच

छिंदवाड़ा | संवाददाता
rashtrabaan.in

नगर निगम आयुक्त सी.पी. राय के निर्देशानुसार शहर में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आज नगर निगम द्वारा व्यापक जांच अभियान चलाया गया। नगर निगम के फायर अधिकारी अभिषेक दुबे ने अपनी टीम के साथ शहर के विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, रेस्टोरेंट्स और होटलों का निरीक्षण किया।

जांच के दौरान प्रतिष्ठानों में स्थापित फायर फाइटिंग सिस्टम, फायर अलार्म, फायर एक्सटिंग्विशर, हाइड्रेंट सिस्टम तथा आपातकालीन निकास मार्गों की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया गया। साथ ही अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र (सेफ्टी सर्टिफिकेट) एवं फायर ऑडिट से संबंधित दस्तावेजों की भी गहन जांच की गई। फायर सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों जैसे किचन एरिया, स्टोर रूम, ट्रांसफार्मर और जनरेटर के आसपास के क्षेत्रों को लेकर संचालकों एवं कर्मचारियों को जागरूक किया गया। टीम द्वारा आपातकालीन परिस्थितियों में फायर एक्सटिंग्विशर के सही उपयोग का प्रदर्शन भी किया गया। इसके अलावा कर्मचारियों को आग लगने जैसी स्थिति में आपातकालीन निकास द्वारों का सुरक्षित एवं प्रभावी ढंग से उपयोग करने संबंधी जानकारी दी गई।

निरीक्षण के दौरान कई प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई। ऐसे संस्थानों को नगर निगम की ओर से नोटिस जारी कर आवश्यक सुधार शीघ्र करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 8 जून को होगी आयोजित

शहडोल | संवाददाता
rashtrabaan.in

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 8 जून को कलेक्टर कार्यालय स्थित विराट सभागार में आयोजित की जाएगी। बैठक समय-सीमा बैठक के पश्चात संपन्न होगी। बैठक में मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 215(3) के अंतर्गत यातायात प्रबंधन, सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों, यातायात व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा जन-जागरूकता गतिविधियों सहित अन्य संबंधित विषयों की समीक्षा की जाएगी। प्रशासन द्वारा जिला सड़क सुरक्षा समिति के सभी सदस्यों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में जिले में सड़क सुरक्षा उपायों की प्रगति और भविष्य की कार्ययोजना पर भी चर्चा किए जाने की संभावना है।

लेदरा में महिला की हुई हत्या, जांच शुरू

शहडोल। गोहपारू थाना क्षेत्र अंतर्गत लेदरा गांव में एक महिला की गला काटकर हत्या कर दी गई। शनिवार सुबह घर के अंदर महिला का खून से लथपथ शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना के बाद से पति फरार है, जिसके चलते पुलिस का शक उसी पर गहराया हुआ है। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान माया यादव उम्र 30 वर्ष पत्नी कमाता यादव के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला की गर्दन पर धारदार हथियार से हमला किया गया था। घटनास्थल से खून से सनी एक कुल्हाड़ी भी बरामद हुई है, जिसे पुलिस ने कब्जे में लेकर जांच के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि घटना के समय घर में महिला, उसका पति और उसकी बुजुर्ग सास मौजूद थे। शनिवार को पड़ोसियों ने घर के भीतर महिला का शव देखा तो तत्काल पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही गोहपारू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की।पुलिस पूछताछ में मृतका की बुजुर्ग सास ने बताया कि उसका बेटा मजदूरी का कार्य करता है। शुक्रवार रात वह काम से लौटकरट देर रात करीब 12 बजे घर पहुंचा। इसके बाद वह अपने कमरे में चला गया, जहां उसकी पत्नी भी मौजूद थी। सास के अनुसार रात में पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ होगा। आशंका जताई जा रही है कि इसी विवाद के दौरान महिला पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। घटना के बाद से पति घर से फरार है, जिससे संदेह और गहरा गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा फरार पति की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है और जल्द ही मामले का खुलासा

मरीजों को बेहतर उपचार और सुविधाएं उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

जिला अस्पताल का एसडीएम ने किया औचक निरीक्षण

शहडोल | संवाददाता
rashtrabaan.in

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशानुसार एसडीएम सोहागपुर श्रीमती अमृता गर्ग ने शनिवार को जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मेल एवं फीमेल सर्जिकल वार्ड सहित विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए कि जिला चिकित्सालय में आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि भर्ती मरीजों को जमीन पर नहीं लिटाया जाए तथा अस्पताल परिसर में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए।एसडीएम ने चिकित्सकों को मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने अस्पताल में दवाइयों की उपलब्धता, भर्ती मरीजों की स्थिति, ओपीडी संचालन एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर व्यवस्थाओं का मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्डों में भर्ती मरीजों से भी चर्चा की और उनके स्वास्थ्य तथा अस्पताल द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। मरीजों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय की प्रबंधक श्रीमती पूजा सोनी सहित अन्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अस्पतालों की नियमित निगरानी जारी रहेगी।

तामिया क्षेत्र में अवैध शराब विक्रेताओं पर आबकारी विभाग की दबिश, 4 प्रकरण दर्ज

छिंदवाड़ा। कलेक्टर हरेंद्र नारायन के निर्देशन में सहायक आबकारी आयुक्त बी.आर. वैद्य के मार्गदर्शन एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी वासुदेवाचार्य त्रिपाठी के नेतृत्व में आज तामिया क्षेत्र के अंतर्गत अवैध शराब विक्रेताओं के विरुद्ध दबिश कार्रवाई की गई। आबकारी टीम द्वारा सांगाखेड़ा क्षेत्र के ग्राम कुर्सी ढाना, ग्राम बांगाई एवं ग्राम खारी सहित अन्य गांवों में अवैध शराब विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34 के तहत कुल 4 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए।

कार्रवाई के दौरान देसी एवं विदेशी शराब की लगभग 18 लीटर मात्रा बरामद की गई। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश होने के निर्देश दिए गए, जिसके पश्चात उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। इसके अतिरिक्त तामिया-देलाखारी क्षेत्र में सघन गश्त भी की गई। अभियान में आबकारी उप निरीक्षक वृत परासिया जीत सिंह धुर्वे, आबकारी आरक्षक ओम नारायण बामने, प्रियंका सरयाम, दिपाली झारिया एवं रविशंकर कंगाली का विशेष योगदान रहा।

राष्ट्रबाण
सिवनी, रविवार 7 जून 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

सिवनी बिजली विभाग में 'नौकरी के नाम पर डकैती'

अधिकारी मौन या साझेदार?

● बेरोजगारों का खून चूस रहा है आउटसोर्सिंग का 'महासूत्रधार' ● विधवा महिला को भी नहीं छोड़ा पैसे के भूखे भेड़िये ने!

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

प्रमोद गेडाम, अधीक्षण यंत्री : साहब...लुटेरों पर चलाओ कार्रवाई का चाबुक!

बेरोजगारी के इस दौर में सरकारी और अर्ध-सरकारी विभागों में नौकरी की आस लगाए बैठे युवाओं को किस तरह लूट का शिकार बनाया जा रहा है, इसका एक सनसनीखेज और रूह कंपा देने वाला खुलासा विगत माह सिवनी जिले में हुआ है। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (बिजली विभाग) के सिवनी संभाग में आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती के नाम पर लाखों रुपये की अवैध वसूली का एक बड़ा 'रैकेट' सक्रिय है।

कोतवाली और डुंडा सिवनी थाने तक पहुँचे दो अलग-अलग मामलों ने बिजली विभाग और आउटसोर्स कर्मी सप्लाई करने वाली 'प्राइम वन' कंपनी के गठजोड़ को पूरी तरह बेनकाब कर दिया है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस लूट तंत्र की शिकार एक ऐसी लाचार विधवा महिला भी है, जिसके पति की मौत के बाद भी विभाग के 'नरभक्षी' दलाल उसकी भविष्य निधि को डकारने के लिए गिद्ध की तरह मंडरा रहे हैं।

आखिर कब तक चलेगी यह अंधेरगर्दी?

इस पूरे घटनाक्रम के सामने आने के बाद बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। सवाल है की आखिर विभाग सालों से चुप्पी साधे हुए क्योंहै? सुपरवाइजर अनिल डेहरवाल और उसका वसूली एजेंट धर्मेंद्र बरमैया सालों से बेरोजगारों को ठग रहे हैं, तो क्या विभाग के आला अधिकारी सचमुच अनजान थे या उनकी मौन सहमति थी? वही इसकी जिम्मेदार प्राइम वन कंपनी भी है पर उस कार्रवाई कब होगी यह भी एक सवाल बना हुआ है। जब कंपनी की गरिमा तिवारी ने क्लीन चिट दी थी, तो अब कोतवाली में हुए समझौते के बाद क्या कंपनी के खिलाफ धोखाधड़ी और दलाली को बढ़ावा देने का मामला दर्ज होगा? बिजली विभाग को मस्तराम वर्मा की कार्यप्रणाली की भी जांच करनी चाहिए जो एक मृत कर्मचारी की विधवा के जेवर बिकवाने और अब पीएफ रोक कर अबला महिला को मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान कर रहा है।

मामला नंबर 1: सुनील बरमैया से 63 हजार की ठगी, कोतवाली में 'समझौते' से खुला राज

इस पूरे सिंडिकेट का भंडाफोड़ तब हुआ जब पीड़ित सुनील बरमैया ने अपने हक के पैसों के लिए आवाज उठाई। जानकारी के अनुसार, सुनील बरमैया से बिजली विभाग में नौकरी लगाने के नाम पर धर्मेंद्र बरमैया और उसके सुपरवाइजर अनिल डेहरवाल ने 63 हजार रूपये की मोटी रकम वसूली थी। सुनील को झांसा दिया गया था कि यह एक पक्की या सुरक्षित नौकरी है, लेकिन ज्वाइन करने के महज दो महीने बाद ही उसे अहसास हो गया कि यह सिर्फ एक 'आउटसोर्स' (ठेकेदारी) की नौकरी है जिसमें उसका शोषण हो रहा है। सुनील ने जब नौकरी छोड़कर अपने पैसे वापस मांगे, तो दलाल धर्मेंद्र बरमैया ने जो खुलासा किया, वह विभाग की नीव हिला देने वाला था। एक वायरल कॉल रिकॉर्डिंग में धर्मेंद्र को साफ कहते सुना गया कि यह 63 रूपये की रकम सिर्फ हमारी नहीं है। थाना कोतवाली और सिवनी पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी को शिकायत के बाद सुनील को न्याय मिला और धर्मेंद्र ने समझौता कर 50 हजार वापिस किया।

जांच के नाम पर प्राइम वन कंपनी का 'ढकोसला'

मामला गरमाने और ऑडियो वायरल होने के बाद भी बिजली विभाग और 'प्राइम वन' कंपनी के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। उल्टा, प्राइम वन कंपनी की अधिकारी गरिमा तिवारी ने जांच के नाम पर सिर्फ औपचारिकता की और 'पर्याप्त सबूत नहीं होने' का हवाला देकर मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की। लेकिन कानून के हाथ लंबे होते हैं। जब मामला सिवनी कोतवाली थाने पहुंचा, तो दलाल धर्मेंद्र बरमैया के हौसले पस्त हो गए। उसने पुलिस के डर से सुनील बरमैया को पैसे वापस लौटा दिए। धर्मेंद्र के इस कबूलनामे और पैसे वापसी ने ऑन-रिकॉर्ड साबित कर दिया है कि बिजली विभाग के भीतर भ्रष्टाचार का यह खेल वर्षों से फल-फूल रहा है।

मामला नंबर 2: 'मस्तराम' की हैवानियत; जेवर बिकवाए, अब पीएफ के लिए मांग रहा 10 हजार

अगर पहला मामला भ्रष्टाचार का है, तो दूसरा मामला मानवीय संवेदनाओं की हत्या का है। सिवनी टाउन में कार्यरत एक अन्य आउटसोर्स कर्मचारी प्रदीप धुर्वे भी इस लुटेरी गैंग का शिकार बना। प्रदीप की पत्नी मंजू धुर्वे ने डुंडा सिवनी थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए जो आपबीती सुनाई है, वह किसी भी संवेदनशील इंसान को झकझोर कर रख देगी।
आरोप है कि विभाग के एक अन्य कथित सुपरवाइजर मस्तराम वर्मा ने प्रदीप को नौकरी पर रखने के लिए पहले 50 हजार रूपये ऐंठे। इतने से भी मन नहीं भरा, तो मस्तराम ने प्रदीप को बेवजह नौकरी से निकाल दिया। दोबारा नौकरी पर रखने के लिए फिर से रुपयों का दबाव बनाया गया। लाचार प्रदीप धुर्वे ने अपनी पत्नी मंजू के के जेवर बेचकर जैसे-तैसे 40 हजार का इंतजाम किया और मस्तराम जैसे पैसे के भूखे भेड़िये की भूख शांत की। वहीं पीड़ितों के द्वारा बार बार गुहार लगाने के बाद भी कोई हल नहीं निकल पा रहा है। दर-दर में शिकायत का कोई नतीजा नही।

मौत के बाद भी नहीं पसीजा दिल

गरीबी और मानसिक प्रताड़ना के बीच प्रदीप धुर्वे की असमय एक दुर्घटना में मौत हो गई। कायदे से विभाग और ठेका कंपनी को उस पीड़ित परिवार की मदद करनी चाहिए थी, लेकिन मस्तराम वर्मा की दरिंदगी यहाँ भी खत्म नहीं हुई। अब स्वर्गीय प्रदीप धुर्वे के भविष्य निधि खाते में हुई कुछ गड़बड़ी को सुधारने के नाम पर मस्तराम पीड़ित विधवा महिला से 10 हजार रूपये की रिश्वत मांग रहा है। मांग पूरी न होने के कारण आज तक उस बेबस विधवा को उसके पति के खून-पसीने की कमाई भविष्य निधी का एक रुपया भी नसीब नहीं हुआ है। मंजू धुर्वे ने थक-हारकर डुंडा सिवनी थाने में न्याय की गुहार लगाई है लेकिन मामला अभी ठन्डे बस्ते पर डला हुआ है।

आउटसोर्स कर्मचारियों को लूटने वाले भेड़िये

धर्मेंद्र बरमैया
लुटेरी गैंग की मछली।

मस्तराम वर्मा
लुटेरो का गुरु?

अनिल डहरवाल
चेला फंसा, गुरु बाहर!

अधीक्षण यंत्री प्रमोद गेडाम बोले- दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

मामला मीडिया में आने और 'राष्ट्रबाण' द्वारा प्रमुखता से उठाए जाने के बाद बिजली विभाग के अधीक्षण यंत्री प्रमोद गेडाम अब 'एक्शन मोड' में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने मामले की गंभीरता को स्वीकार करते हुए कहा कि यह पूरा प्रकरण मीडिया के माध्यम से मेरे संज्ञान में आया है। बिजली विभाग में इस तरह की दलाली और भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आरोपी धर्मेंद्र बरमैया और सुपरवाइजर अनिल डेहरवाल के खिलाफ सख्त से सख्त दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बिजली विभाग के साहब ने कार्रवाई का आश्वासन तो दे दिया है, लेकिन अब देखना यह है कार्रवाई कब होगी? क्या यह सिर्फ एक विभागीय नोटिस तक सीमित रहेगी या इन लुटेरों को नौकरी से निकाल फेका जायेगा और इन्हे सलाखों के पीछे भेजा जाएगा? सिवनी सैकड़ों पीड़ित आउटसोर्स कर्मचारी अब टकटकी लगाए देख रहे हैं कि विभाग की छवि को तार-तार करने वाले इन सफेदपोश ठगों और उनके आकाओं पर कानून का डंडा कब चलता है।

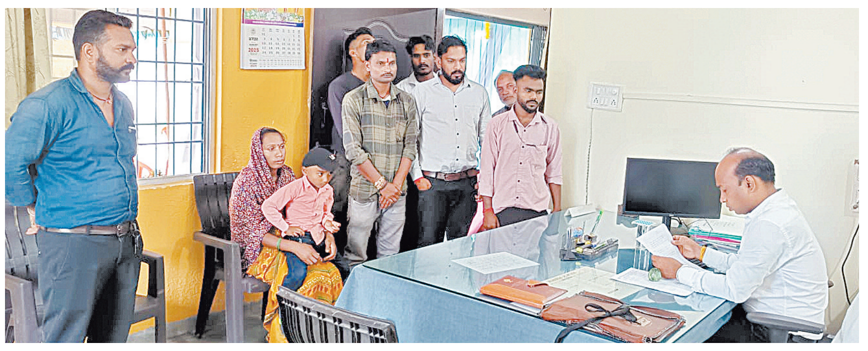
न्याय के लिए दर-दर भटक रही प्रदीप धुर्वे की विधवा पत्नी मंजू अपने मासूम बेटे के साथ।

कागजों पर बना घाट, 9 लाख डकार गए 'साहब'!

नैनपुर जनपद में भ्रष्टाचार का खुला खेल

राष्ट्रबाण नैनपुर| संवाददाता
rashtrabaan.in

नैनपुर जनपद पंचायत के अधिकारियों ने क्या कार्यवाही कि एक राज बनकर रह गई कहते है। कि आज दौर के समय में कुछ संभव हो सकता है। भ्रष्टाचार का खेल और कहे सरकारी धन की होली का खेल उसके अधिकारी और कर्मचारी ऐसा खेलते है। कि कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। कब करोड़ों डकार जाते है। पता नहीं चलता है। जब शिकायत भी होती है। उसकी कार्यवाही किसी को नहीं दिखाई देती है। खैर जो भी कहा जाए समय और अधिकारी दोनों बलवान है। जोकि किसी का कुछ भी बिगड़ सकते है। जब कि ग्राम पंचायतो में बिना निर्माण किये ही सचिव उपयंत्री सरपंच के द्वारा राशि का आहरण किया जा रहा है। और लाखों करोड़ों का भ्रष्टाचार कर लेते है। कर्मचारी और अधिकारी डकार तक नहीं लेते है। वही शिकायत में जांच और गबन एक छोटी सी बात है। वही जिला प्रशासन भी सिर्फ शिकायत होने पर खाना पूर्ति कहे या कागजी घोड़े दौड़ा शिकायतकर्ता की भावना से खिलवाड़ करते है। भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारी और कर्मचारी मोटा मॉल कर करोड़ पति हो चुके होते है। क्या ग्राम पंचायत ओहनी में हुआ भ्रष्टाचार सिर्फ कागजों में दब कर रह जाएगा या फिर शिकायतकर्ता कार्यालय के चक्कर काट कर शांत हो जाएगा।

क्या है मामला

ग्राम पंचायत ओहनी के सचिव विनीत भोर और रोजगार सहायक और उपयंत्री ने ऐसा खेल खेला कि पहले कागज में घाट का निर्माण कर दिया और जब शिकायत हुई तो लखमा डोगरिया के तालाब में बिना बेस का घाट निर्माण कर दिया वही भारी गर्मी में घाट दो भागो में बाट चुका है। जगह जगह से दरार आने और दिखाई देने लगी है। लोहा के नाम सिर्फ रॉड को ऊपर से लगा दिया गया है। वही गांव के निवासी कहते है। कि घाट एक बारिश भी झेल नहीं पाएगा और टूट जाएगा तो अधिकारी फिर किस आधार पर उसका भुगतान कर रहे है। वही उपयंत्री और सचिव और ठेकेदार के साथ मिलकर ,9लाख की राशि का आहरण कर लिया है।शिकायत होने पर आनन फानन में घाट का निर्माण किया गया है।

जनपद पंचायत सदस्य भी कर चुके है शिकायत

क्षेत्र के जनपद पंचायत सदस्य के द्वारा जनपद पंचायत सीईओ नैनपुर को शिकायत की गई थी। मगर जनपद पंचायत नैनपुर के अधिकारियों पर जांच कर कार्यवाही नहीं जा रही है। और मामले में पर्दा डालने की भरपूर कोशिश की जा रही है।

जनपद पंचायत नैनपुर के अधिकारियों को भनक नहीं है। या कमीशन के चक्कर में मौन

वही जब जनपद पंचायत सदस्य ने शिकायत की तो कार्यवाही के नाम सिर्फ खाना पूर्ति करते नजर आ रहे है। वही शिकायत पर क्या कार्यवाही हुई आज किसी को जानकारी नहीं है। क्या घाट निर्माण में हुआ गबन और घोटाला के दोषी अधिकारी कर्मचारी सचिव उपयंत्री कब कार्यवाही होगी इसका इंतजार है। क्या जनपद पंचायत नैनपुर के अधिकारी कार्यवाही करने से देरी या साठ गांठ क्या जिला पंचायत मंडला को जानकारी और जनपद पंचायत नैनपुर के पीसीओ सीईओ और विभाग को शिकायत होने के बाद भी कार्यवाही नहीं होना एक बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। क्या जनपद सदस्य के द्वारा की गई शिकायत को विभाग के अधिकारी अनदेखा कर रहे है। या फिर जनपद पंचायत के सीईओ के द्वारा मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। खैर जो भी मामला बड़ा और गंभीर है। जोकि सचिव और उपयंत्री सरपंच के द्वारा किया गया गबन और घोटाला की आंच या जांच किस किस को जलाएगी समय की कोख में है।

संविदा स्वास्थ्यकर्मी की बेमियादी हड़ताल

सर्वसम्मति जिलाध्यक्ष चुने गये अमित तिवारी

राष्ट्रबाण मंडला| संवाददाता
rashtrabaan.in

संविदा स्वास्थ्य कर्मी अपनी मांगो को लेकर दो जून से प्रांतीय आव्हान पर पूरे प्रदेश के साथ अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे जा चुके है। आठ जून को पूरे प्रदेश के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी राजधानी भोपाल पहुंचकर अपनी मांग उठाएंगे। इससे पहले सोमवार को संविदा कर्मियों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें नैनपुर सिविल अस्पताल में कार्यरत डाटा एंट्री आपरेटर अमित तिवारी को सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष चुना गया है।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने बताया कि चरणबद्ध आंदोलन के बाद 2 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जा चुकी है। इसके बाद 8 जून को भोपाल में प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि संविदा कर्मी मुख्यमंत्री द्वारा 30 जनवरी को दशहरा मैदान भोपाल में की गई घोषणा पूरी करते हुए नियमितीकरण करने, 2023 की नीति के तहत एनपीएस, स्वास्थ्य बीमा, 10 प्रतिशत वार्षिक वेतनवृद्धि, नियमित की तरह मंहगाई भत्ता, सीएचओ के वेतन में पीबीआई का मयोजन, वेतन विसंगति दूर करने, नियमित कर्मचारियों की तरह अवकाश की पात्रता, समान कार्य समान वेतन व अन्य सुविधा लागू करने के साथ सार्थक एप बंद करने व अप्रैजल की प्रक्रिया का पूरी तरह से विरोध किया जा रहा है। बताया गया कि जिले में इस अनिश्चितकालीन में विभिन्न केडर के संविदा कर्मी हड़ताल में शामिल हो रहे है। जिससे दो जून से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो चुकी है।

सुमित तिवारी, जिलाध्यक्ष।

महिला सशक्तिकरण का बना मंच, उन्नति सीएलएफ की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्यरत उन्नति महिला आजीविका संकुल स्तरीय संगठन लखनवाड़ा की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन ग्राम करीरात में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अंजली शाह उपस्थित रहीं। अध्यक्षता संकुल संगठन अध्यक्ष श्रीमती शीतल विश्वकर्मा ने की। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री घनश्याम सनोडिया, एलडीएम श्री प्रवीण दिसोरिया, जिला परियोजना प्रबंधक श्री संजय रस्तोगी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, जनपद पंचायत सिवनी क्षेत्र के सात संकुल संगठनों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्व-सहायता समूहों की सदस्याएं उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात सरस्वती वंदना एवं सीएलएफ प्रार्थना प्रस्तुत की गई। अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया।

सभा में संगठन की वार्षिक उपलब्धियों, वित्तीय प्रगति, ऑडिट रिपोर्ट तथा आगामी वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना और बजट का प्रस्तुतीकरण किया गया। वक्ताओं ने समूहों की आर्थिक मजबूती, नियमित बचत, बैंकिंग गतिविधियों, सामुदायिक निवेश निधि, ऋण वितरण एवं समय पर पुनर्भुगतान की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही महिलाओं को डेयरी, बकरी पालन, मुर्गी पालन, जैविक खेती एवं अन्य स्वरोजगार गतिविधियों से जोड़कर आय वृद्धि के अवसरों का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। अतिथियों ने कहा कि स्व-सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं। समूहों के माध्यम से महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि परिवार और समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। कई महिला सदस्यों ने अपने संघर्ष और सफलता की प्रेरणादायक कहानियां साझा करते हुए समूहों से मिले लाभों की जानकारी दी। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले समूहों, ग्राम संगठनों, कृषि सखी, पशु सखी, बैंक सखी, जेंडर सीआरपी, क्षेत्रीय समन्वयकों, बुक कीपर एवं अन्य सामुदायिक कैडरों को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। उपस्थित महिलाओं से अधिक से अधिक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का आह्वान किया गया।

ऊंची इमारतों में अग्नि सुरक्षा जांच के लिए निरीक्षण समितियों का गठन

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले में स्थित स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, मॉल, होटल, रेस्टोरेंट एवं मैरिज लॉन जैसी ऊंची इमारतों में अग्नि सुरक्षा मानकों के प्रभावी अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा निरीक्षण समितियों का गठन किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) समिति के अध्यक्ष होंगे। समिति में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), मुख्य नगर पालिका अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, सहायक यंत्री नगर पालिका, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग तथा कार्यपालन यंत्री विद्युत विभाग को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

गठित समितियां अपने-अपने क्षेत्रों में स्थित संस्थानों का निरीक्षण कर अग्नि सुरक्षा उपकरणों, फायर सेफ्टी सिस्टम, आपातकालीन निकास मार्ग एवं अन्य सुरक्षा संसाधनों की उपलब्धता का परीक्षण करेंगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित करेंगी कि संबंधित संस्थानों द्वारा अग्नि सुरक्षा संबंधी निर्धारित मानकों एवं नियमों का पालन किया जा रहा है या नहीं। निरीक्षण के दौरान यदि किसी संस्था में अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं पाए जाते हैं अथवा आवश्यक अनुमतियां प्राप्त नहीं की गई हैं, तो समिति संबंधित संस्था को आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश देगी तथा कमियों को दूर करने के लिए समय-सीमा निर्धारित करेगी।

जिला प्रशासन ने सभी संबंधित संस्थानों से अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा निरीक्षण कार्य में सहयोग करने की अपील की है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433